वैज्ञानिक विधियों के द्वारा गाँव के तालाबों का पुनरूद्धार

गाँव के तालाबों की मुख्य विशेषताएं

बावरली तालाब

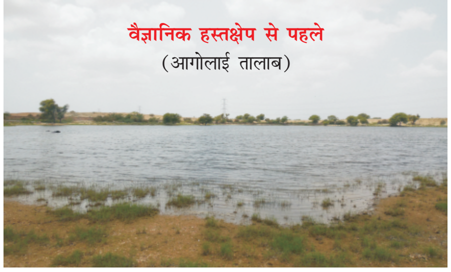

वैज्ञानिक हस्तक्षेप से पहले
(आगोलाई तालाब)

- शुष्क क्षेत्र में बार–बार पड़ने वाले सूखे के कारण तालाब, जो गाँव की जीवन रेखा हैं, में पानी की आवक एवं उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव पड़ता है
- दो तालाब जो पंचायत द्वारा सामुदायिक रूप द्वारा प्रबंधित थे, उन्हें चयनित कर वैज्ञानिक विधियों के माध्यम से उनका पुनरूद्धार किया गया
- दोनों तालाबों के पानी का घरेलू कार्यों के साथ–साथ पीने के लिए उपयोग किया जाता है
- बावरली तालाब का क्षेत्रफल 3.33 हेक्टेयर है जबकि जलग्रहण क्षेत्र 196 हेक्टेयर है
- आगोलाई तालाब का क्षेत्रफल 5.53 हेक्टेयर है जबकि जलग्रहण क्षेत्र 780 हेक्टेयर है
- तालाब में पानी के बहाव द्वारा जमी हुई मिट्टी एक बड़ी समस्या है

आगोलाई तालाब

वैज्ञानिक हस्तक्षेप के बाद
(आगोलाई तालाब)

मुख्य वैज्ञानिक हस्तक्षेप

- जल निकासी मार्गों के किनारे बहुउद्देशीय वृक्षों का रोपण
- सामुदायिक भागीदारी और वैज्ञानिक विधियों द्वारा तालाब में पानी के बहाव द्वारा जमी हुई मिट्टी निकालना
- डिजिटल वर्षा मापी एवं जल स्तर अभिलेखन यंत्र द्वारा तालाब में वर्षा अपवाह का आकलन
- तालाब के भंडारण की मात्रा की गणना करने के लिए तालाब का सम्मोच सर्वेक्षण
- तालाब में पानी के प्रसार क्षेत्र की आवधिक निगरानी के लिए रिमोट सेंसिंग आधारित कलन विधि

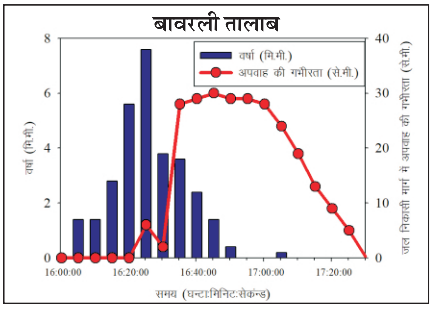

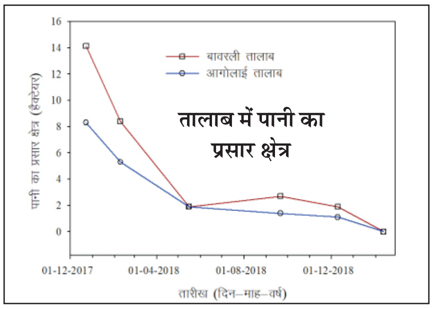

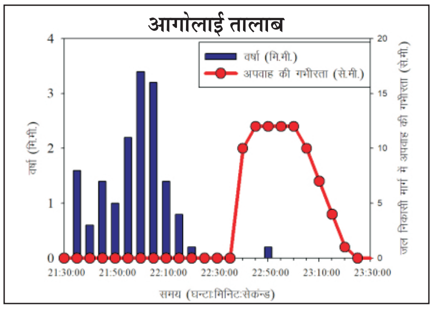

योगदान: **पी. सांतरा एवं महेश कुमार**

भाकृअनुप–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर 342 003 (भारत)

www.cazri.res.in

काजरी फैक्टशीट: 2021

CAZRI® Enhancing resilience of arid lands